श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 22, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार, 28 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

इस बार मुहर्रम पर नहीं निकलेगा ताजियों का जुलूस : सुप्रीम कोर्ट

कोविड-19 के मद्देनजर मुहर्रम पर निकाली जाने वाली ताजियों के जुलूस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है

नई दिल्ली, एएनआइ। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मुहर्रम की ताजिया निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मांग को नहीं माना जा सकता क्योंकि इससे लोगों का स्वास्थ्य और उनकी जिंदगी जोखिम में पड़ सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुहर्रम के मौके पर ताजिया का जुलूस निकालने की अनुमति यदि दी जाती है और संक्रमण फैलता है तो इसके लिए समुदाय विशेष को जिम्मेवार माना जाएगा।

कोर्ट ने लखनऊ के याचिकाकर्ता से इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपनी याचिका ले जाने को कहा। मुहर्रम पर ताजिया का जुलूस निकालने को लेकर अनुमति मांगने वाली याचिका शिया नेता सैयद कल्बे जवाद ने दर्ज कराई थी। आइएएनएस के अनुसार, हजरत निजामुद्दीन औलिया दरगाह शरीफ के प्रमुख कासिफ निजामी ने कहा है कि दिल्ली में ताजियों के जुलूस निकालने का का सिलसिला मुगलकाल से ही चला आ रहा है। इस बार 700 साल में पहली बार मुहर्रम के मौके पर यह जुलूस नहीं निकाला जाएगा।

जोखिम में पड़ सकती है लोगों की जान

चीफ जस्टिस एस ए बोबडे और जस्टिस एएस बोपन्ना व वी रामासुब्रह्मण्यम इस मामले की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण देश में जो हालात है उसके मद्देनजर इस ताजिया को निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है इससे लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मामले की सुनवाई कर रही जजों की बेंच ने कहा, 'आप ताजिया की जुलूस निकालने की मांग कर रहे हैं और यदि हम इसकी अनुमति दे देते हैं तो माहौल अस्त-व्यस्त हो जाएगा। कोविड-19 संक्रमण को फैलाने के लिए विशेष समुदाय को निशाना बनाया जाएगा। हम वह नहीं चाहते हैं। कोर्ट के तौर पर हम लोगों की जिंदगी को जोखिम में नहीं डाल सकते।' मुहर्रम के दिन मुस्लिम समुदाय हुसैन की शहादत को याद करता है और मातम के तौर पर ताजिये के साथ जूलूस निकालने का रिवाज है।

महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मराठा आरक्षण की पचास फीसद सीमा पर पुनर्विचार की मांग की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण की तरफदारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट से आरक्षण की तय 50 फीसद की अधिकतम सीमा पर पुनर्विचार किये जाने की मांग की। राज्य सरकार ने कहा कि आरक्षण की अधिकतम सीमा करीब 30 साल पहले नौ न्यायाधीशों की पीठ ने इन्द्रा साहनी फैसले में व्यवस्था देते हुए तय की थी। अब इस पर पुनर्विचार होना चाहिए। आरक्षण की अधिकतम सीमा पर पुनर्विचार का मामला 11 न्यायाधीशों की पीठ को भेजा जाना चाहिए क्योंकि राज्य की 70-80 फीसद आबादी पिछड़ी है और उसे आनुपातिक आरक्षण से वंचित करना ठीक नहीं होगा। राज्य सरकार की ओर से ये दलील बुधवार को मराठा आरक्षण मामले में चल रही सुनवाई के दौरान दी गई। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ महाराष्ट्र में 12 फीसद मराठा आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही कोर्ट ने आर्थिक आधार पर 10 फीसद आरक्षण का मामला संविधान पीठ को भेजा है। उसमें भी 50 फीसद की सीमा उल्लंघन का मामला शामिल है।

चीन से जारी तनाव के बीच इजरायल से दो और अवाक्स खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, पीटीआइ। सरकार वायुसेना के लिए दो फाल्कन एयरबॉर्न चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स) खरीदने की मंजूरी देने के अंतिम चरण में है। इस पर एक अरब डॉलर (लगभग 73 अरब रुपये) के आसपास लागत आ सकती है। दो फाल्कन अवाक्स खरीदने के लिए संबंधित इजरायली अधिकारियों के साथ नए सिरे से बातचीत हुई है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब भारत का चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा को लेकर विवाद चरम पर है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही तीन फाल्कन अवाक्स हैं। दो और मिल जाने से देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। सूत्रों ने कहा, 'दो और फाल्कन अवाक्स को मंजूरी देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।' इसके अलावा सूत्र ने यह भी बताया कि सुरक्षा पर मंत्रिमंडल की समिति की अगली बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अवाक्स रूसी मूल के आइल्युशिन-76 परिवहन विमान पर लगा हुआ है। अत्यंत उन्नत निगरानी क्षमता के कारण इसे आकाश में आंख कहा जाता है। फाल्कन अवाक्स अपनी सीमा को पार किए बगैर दुश्मन देश के विमान, मिसाइल, सीमा पर सैनिकों की गतिविधियों को पकड़ने में सक्षम है।

इससे पहले एएनआई की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देते हुए सेना भी जल्द छह स्वदेश निर्मित स्वाति रडार खरीदने वाली है। यह सौदा करीब 400 करोड़ रुपये का होना है। इस रडार की खासियत है कि यह हथियारों की मौजूदगी तलाशने सक्षम है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास परिषद (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह रडार 50 किलोमीटर की दूरी तक मौजूद दुश्मन के हथियारों- मोर्टार, उनके शेल, रॉकेट आदि ढूंढ़ने में सक्षम है। इतना ही नहीं एक साथ कई दिशाओं से हो रहे फायर की लोकेशन और उनके लिए हथियारों की जानकारी देने में भी यह सक्षम है।

असम में भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई तीव्रता

नई दिल्ली, एएनआइ। असम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, भूकंप के झटके गुरुवार रात 10 बजकर 13 मिनट पर महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र तेजपुर के निकट बताया जाता है।

बताया जाता है कि भूकंप के झटकों के बाद लोग घरों से बाहर आ गए। पिछले कुछ महीनों में असम में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। यदि तेजपुर की बात करें तो बीते दो महीनों में भूकंप का यह दूसरा झटका है। इससे पहले आठ जुलाई को असम के तेजपुर में 2.7 तीव्रता का भूकंप आया था। बीते तीन जुलाई को मिजोरम के चम्फाई के पास भी 4.6 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। बीते 26 अगस्त को पश्चिम बंगाल में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। राज्य के दुर्गापुर में सुबह 7.54 पर ये झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई थी। पिछले महीने भारत-बांग्लादेश की सीमा पर भी इसी तरह के झटके महसूस किए गए थे। वहीं 21 अगस्त को झारखंड के साहिबगंज और आसपास के इलाकों में भूकंप का झटका महसूस किया गया था।

अंतिम वर्ष की परीक्षा रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, एएनआइ। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को फैसला सुनाएगा। इसमें दायर याचिका में कोरोना वायरस की स्थिति को देखते हुए अंतिम परीक्षा रद्द करने और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 6 जुलाई के परिपत्र को चुनौती दी गई है।

देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्व विद्यालयों, डीम्ड विश्व विद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों, इन सभी से सम्बद्ध महाविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष या सेमेस्टर की परीक्षाओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैसला 28 अगस्त यानि शुक्रवार को को निर्णय सुनाये जाने की उम्मीद है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा विश्वविद्यालयों की अंतिम वर्ष या सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्णय जल्द आने की उम्मीद है। उच्चतम न्यायालय में 18 अगस्त 2020 को मामले की सुनवाई पूरी कर ली गयी थी और न्यायालय द्वारा फैसले को सुरक्षित रख लिया गया था। मामले की सुनवाई उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों न्यायमूर्ति अशोक भूषण, आर. सुभाष रेड्डी और एम. आर. शाह की खण्डपीठ द्वारा की जा चुकी है। विश्वविद्यालयों एवं अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष या सेमेस्टर की परीक्षाओं को 30 सितंबर तक करा लेने के यूजीसी द्वारा 6 जुलाई को जारी निदेशों को चुनौती देनी वाली विभिन्न याचिकाओं पर एक साथ 18 अगस्त को हुई पिछली और अंतिम सुनवाई के दौरान विभिन्न राज्यों झ महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और ओडिशा की दलीलों को भी सुना गया, क्योंकि इन राज्यों की सरकारों ने परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला स्वयं ही ले लिया था। यूजीसी द्वारा सुनवाई के दौरान इन राज्यों के फैसले को आयोग के सांविधिक विशेषाधिकारों के विरूद्ध बताया गया था।

उत्तर प्रदेश के शहरों को हवाई रूटों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए चलाई जा रही 'उड़ान' योजना के चौथे चरण में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 78 और नए हवाई रूट को मंजूरी दी है। इसमें पूर्वोत्तर के सुदूर में बसे शहरों के साथ उत्तर प्रदेश के कई छोटे बड़े शहरों को शामिल किया गया है। इससे उत्तर प्रदेश में हवाई सेवा का नेटवर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक, उड़ान स्कीम के तहत उत्तर प्रदेश के कानपुर (चकेरी), मुरादाबाद, अलीगढ़, चित्रकूट, वाराणसी, श्रावस्ती, प्रयागराज और बरेली से हवाई रूट को शामिल किया गया है। इनमें कानपुर (चकेरी) से मुरादाबाद, कानपुर (चकेरी) से अलीगढ़, कानपुर (चकेरी) से चित्रकूट, चित्रकूट से प्रयागराज, चित्रकूट से वाराणसी, चित्रकूट से कानपुर (चकेरी), कानपुर(चकेरी) से श्रावस्ती, श्रावस्ती से वाराणसी, श्रावस्ती से प्रयागराज, श्रावस्ती से कानपुर(चकेरी), बरेली से दिल्ली का रूट शामिल किया गया है। इन हवाई रूटों के शुरू होने से उत्तर प्रदेश के शहरों की आवाजाही आसान हो जाएगी। दिल्ली और हिस्सार से पहाड़ी क्षेत्रों के दूरस्थ वाले शहरों व कस्बों में जाना आना आसान हो जाएगा। उड़ान स्कीम के चौथे चरण में जिन रुटों की मंजूरी दी गई है। उसके तहत दिल्ली से शिमला, हिसार से धर्मशाला, हिसार से चंडीगढ़, हिसार से देहरादून के रूटों को भी शामिल किया गया है। मंजूर किए गए इन रूटों पर बड़ी संख्या में लोग छुट्टियां मनाने जाते हैं। उड़ान-4 से उत्तर पूर्वी राज्यों में हवाई रूटों का कई नए नेटवर्क की शुरूआत होगी। पूर्वोत्तर राज्यों के हिमालयन क्षेत्र में होने की वजह से लोगों के आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके कई बड़े शहर भी अभी तक रेलवे नेटवर्क से जुड़ नहीं सके हैं। लिहाजा लोगों को कहीं आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने उड़ान स्कीम में उत्तर पूर्वी राज्यों को काफी तवज्जो की दी है। इन राज्यों के ज्यादातर शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने का फैसला लिया गया है। इन रूटों को मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा बिलासपुर से भोपाल, दीव से सूरत, दीव से बड़ोदरा को भी मंजूरी दी गई है।

केरल सोना तस्करी मामले में चार लोग और गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने केरल सोना तस्करी मामले में चार और लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने तिरुअनंतपुरम के यूएई वाणिज्य दूत को भेजे गए आयात कार्गो के माध्यम से हुई सोना तस्करी के लिए धन मुहैया कराया था और अन्य आरोपितों के साथ मिलकर इसकी साजिश रची थी। एनआइए के प्रवक्ता ने कहा कि कोझिकोड के निवासी जिफसल सीवी और मुहम्मद अबू शमीम, मलप्पुरम के अबूबकर पी. और अब्दुल हमीद पीएम को सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने कहा कि बुधवार को मलप्पुरम और कोझिकोड जिलों में आरोपितों के आवास की तलाशी ली गई। इसके अलावा अबूबकर की मालाबार ज्वैलरी, मलप्पुरम में हमीद की अमीन गोल्ड और कोझिकोड में शमसुद्दीन के स्वामित्व वाली अंबी ज्वेलरी की भी तलाशी ली गई। तलाशी में कई उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। अभी तक एनआइए इस मामले में 25 को आरोपित कर चुकी है जिनमें से 20 गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

उधर, सचिवालय में लगी आग को लेकर राज्य की विपक्षी पार्टियां एकजुट हो गई हैं। बुधवार को पूरे राज्य में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पानी की बौछार और आंसू गैस का सहारा लिया। कांग्रेस की अगुआई वाले यूडीएफ और भाजपा ने एनआइए से आग लगने की जांच कराने की मांग की है। मंगलवार को सामान्य प्रशासन विभाग में आग लग गई थी। पुलिस एफआइआर में सरकारी गेस्ट हाउस में बुकिंग से संबंधित कुछ फाइलों के क्षतिग्रस्त होने का उल्लेख किया गया है।

पूरे राज्य में इस घटना पर आक्रोश पैदा हो गया है। कांग्रेस और भाजपा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से इस्तीफे की मांग कर रही हैं। कार्यकताओं ने कहा कि सोना तस्करी के मामले से संबंधित फाइलें जलाने के लिए मंगलवार शाम आग लगाई गई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने कहा कि सचिवालय में आग संदेहास्पद है क्योंकि विजयन और उनके विश्वासपात्र की यात्रा से संबंधित महत्वपूर्ण फाइलें वहां रखी हुई थीं। एनआइए की जांच से ही सच्चाई सामने आ सकती है। सीबीआइ को भी जांच में शामिल किया जाना चाहिए। विजयन की चुप्पी संदेह पैदा करती है। वह किसी बात से डर रहे हैं।

अवमानना के दोषी भगोड़े विजय माल्या की पुनर्विचार याचिका पर SC ने आदेश सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एएनआइ। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या द्वारा वर्ष 2017 में अदालत की अवमानना मामले में दायर पुनर्विचार याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की गई। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। दरअसल माल्या ने 40 मिलियन डॉलर की रकम अपने बच्चों के नाम पर ट्रांसफर किया था जिसके लिए कोर्ट की ओर से मना किया गया था। माल्या ने 2017 के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। 40 मिलियन डॉलर अपने परिजनों के खाते में ट्रांसफर किए जानेपर सुप्रीम कोर्ट ने माल्या को कोर्ट की अवमानना का दोषी माना था। 9 मई 2017 को डिएगो डील के 40 मिलियन डॉलर बच्चों के खात में ट्रांसफर करने और संपत्ति का विवरण न देने के लिए माल्या को दोषी माना गया था। जजों के समक्ष पुनर्विचार याचिका नहीं लगी। जस्टिस यू यू ललित और जस्टिस अशोक भूषण की बेंच ने 16 जून को विजय माल्या की पुनर्विचार याचिका पर गौर किया और सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री को तीन साल तक इस पुनर्विचार याचिका से संबंधित फाइल देखने वाले अधिकारियों के नाम सहित सारा विवरण पेश करने का निर्देश दिया।

बाबा रामदेव की कंपनी को मिली राहत

नई दिल्ली, प्रेट्र। बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उसने पतंजलि द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 'कोरोनिल' ट्रेड मार्क के इस्तेमाल पर रोक लगाने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। चेन्नई की दवा कंपनी अरुद्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती थी। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगर हम महामारी के दौरान 'कोरोनिल' शब्द के इस्तेमाल को रोकते हैं तो यह पहले से बन चुके उत्पाद के लिए भयानक होगा,

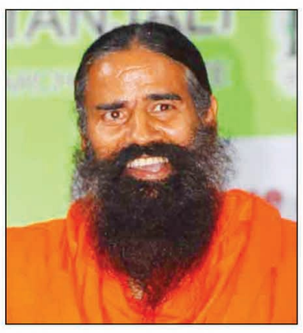

क्योंकि इसके नाम पर कुछ कीटनाशक भी हैं।

याचिकाकर्ता को इस मामले को हाईकोर्ट के समक्ष ले जाने को कहा गया। इससे पूर्व मामले की सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट में हुई थी। उसने पतंजलि पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया था और साथ ही इस ट्रेड मार्क के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। बाद में हाईकोर्ट की ही डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी थी। गौरतलब है कि पतंजलि ने इसे कोरोना की दवा बताया था।

दवा को लेकर बाद में आयुष मंत्रालय ने कहा था कि इसे इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर बेचा जा सकता है, लेकिन कोरोना की दवा नहीं बताया जा सकता। आचार्य बालकृष्ण ने कहा था कि औषधि के लेबल पर कोई अवैध दावा नहीं किया गया है। इम्युनिटी बूस्टर का लाइसेंस लिया गया था और कोरोनिल टेबलेट, श्वसारि वटी और अणु तेल औषधि इम्युनिटी बूस्टर का ही काम करती है।

इस बारे में पतंजलि प्रवक्ता एसके तिजारावाला ने बताया कि कोरोनिल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल केस में कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस नाम का कोई कीटनाशक है, जबकि कोरोनिल एक दवा है। कोरोना संक्रमण काल में इस पर रोक लगाना कतई उचित नहीं। बताया कि इस टिप्पणी के साथ कोर्ट में केस को खारिज कर दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने NCC कैडेट्स के ऑनलाइन प्रशिक्षण के APP किया लॉन्च

नई दिल्ली, पीटीआइ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को देश में नेशनल कैडेट कोर कैडेट्स के ऑनलाइन प्रशिक्षण में सहायता के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के मद्देनजर एनसीसी कैडेट्स के प्रशिक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। चूंकि निकट भविष्य में स्कूलों और कॉलेजों के खुलने की संभावना नहीं है, इसलिए एनसीसी कैडेट्स को डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

बयान में कहा गया है कि 'डीजीएनसीसी' नामक मोबाइल ऐप का उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण वीडियो और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न सहित सभी प्रशिक्षण सामग्री प्रदान करना है। सवाल पूछने के विकल्प को शामिल करके ऐप को इंटरैक्टिव बनाया गया है। इस विकल्प का उपयोग करके कैडेट्स प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं और इसका उत्तर योग्य प्रशिक्षकों के एक पैनल द्वारा दिया जाएगा। राजनाथ सिंह के साथ, रक्षा सचिव अजय कुमार, एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चोपड़ा और मंत्रालय के अन्य अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। ऐप लॉन्च के बाद, राजनाथ सिंह ने ट्विटर पर कहा कि आज एनसीसी कैडेट्स के लिए मोबाइल ट्रेनिंग ऐप लॉन्च किया। यह ऐप एनसीसी कैडेटों के देशव्यापी ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित करने में सहायता करेगा। यह डिजिटल लर्निंग में एनसीसी कैडेट्स के लिए उपयोगी होगा और कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न कठिनाइयों का सामना करने में भी मदद करेगा।

पुलवामा हमले में NIA की चार्जशीट से बेचैन हुआ पाक

नई दिल्ली, आइएएनएस। पाकिस्तान का दोहरा चरित्र एक बार फिर सामने आया है। पिछले साल पुलवामा में हुए आतंकी हमले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआइए) द्वारा चार्जशीट दायर करने के बाद उसकी बेचैनी बढ़ गई है। उसने चार्जशीट को ही गलत बताने की कोशिश की है। एनआइए ने पुलवामा हमले की गुत्थी को सुलझाते हुए मंगलवार को विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया था।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि एनआइए ने पुलवामा हमले में पाकिस्तान को फंसाने की कोशिश की है। यही नहीं, खुद को पाकसाफ बताने की कोशिश में पाकिस्तान ने उल्टे एनआइए की चार्जशीट को भी भाजपा और देश की घरेलू राजनीति से जोड़ने का प्रयास किया है।

बता दें कि पाकिस्तान ने पिछले साल भी पुलवामा हमले को लोकसभा चुनाव से जोड़ने की कोशिश की थी। लेकिन किसी भी देश ने उसकी बातों पर यकीन नहीं किया था। पिछले साल 14 फरवरी को पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए थे।

19 आरोपितों में जैश सरगना मसूद अजहर, रउफ असगर और उमर फारूक भी शामिल हैं। छह आरोपित मारे जा चुके हैं और सात पकड़े जा चुके हैं। मुख्य आरोपी पाकिस्तानी कमांडर मोहम्मद उमर फारूक था, जो मसूद अजहर का भतीजा था। उमर फारूक अपने एक अन्य साथी के साथ पुलवामा हमले के चंद दिनों बाद मारा गया था।

उधर, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले पर एनआइए द्वारा दायर आरोपपत्र सावधानीपूर्वक और व्यापक तरीके से तैयार किया गया है जो पाकिस्तान को घेरने वाला है। इसके लिए उन्होंने एनआइए को बधाई दी।सिंघवी ने ट्वीट कर कहा कि एनआइए के आरोप पत्र में कॉल्स, बैंक जमाओं और तस्वीरों समेत कई अन्य चीजों का विवरण है जो मजबूत केस बनाने में मदद करते हैं। उन्होंने जांच एजेंसी का आह्वान किया कि वे आरोपितों को सजा दिलवाए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि खामियों के लिए हमें पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन अच्छे तरीके से किए गए काम की पूरी प्रशंसा भी होनी चाहिए। मालूम हो कि एनआइए ने पुलवामा केस में मंगलवार को ही 13,800 पेज का आरोप पत्र दाखिल किया है। इसमें 19 लोगों को आरोपित बनाया गया है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज शुक्रवार, 28 अगस्त, 2020

संक्षेप समाचार

अनियंत्रित अप्पे पलटी आधा दर्जन घायल तीन की हालत गंभीर

घूरपुर। शहर से सवारी भरकर गौहनिया की ओर जा रही अप्पे अनियंत्रित होकर इरादतगंज बाजार के हाईवे पर पलट गई। जिसमें सवार आधा दर्जन यात्री घायल हो गए जिसमें तीन गंभीर रूप से घायल है। गुरुवार की सायंकाल शहर से सवारी भरकर गौहनिया की ओर जा रही अप्पे जैसे ही इरादतगंज बाजार के हाईवे पर पहुंची की अचानक सामने आए सायकिल सवार को बचाने के चक्कर में अप्पे अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। सवार घायल यात्रियों में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने मदद कर बाहर निकालने लगे इसी बीच सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। घायलों को इलाज के लिए जसरा सीएचसी ले गए।

बिजली का करंट लगने से दो सगी बहनों की मौत

करछना। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे मेदनी सिंह का पूरा धरवारा मे एक घर मे साप निकलने पर सरिया लेकर मारने का प्रयास करने लगी उसी दौरान सरिया बिजली के तार से छू जाने के कारण उसमे करट दौड गया और दोनो चपेट मे आ गई।जिससे दोनो बहनो की मौके पर ही मौत हो गई एक सप्ताह पूर्व बृजबलि पटेल के पिता का देहांत हो गया था जिसके दाह संस्कार के उपरात बेटा क्रिया कर्म मे व्यस्त था

आज दोपहर घर मे साप निकला तो बृजबलि की बडी बेटी रामू देवी 16 बरछा लेकर साप को मारने चली गई उसी दौरान बिजली के तार से बरछा कही छू गया जिससे वह तडपने लगी उसकी छोटी बहन मनीषा 14 उसे छुडाने के लिए दौडी देखते ही देखते दोनो बहनो की मौत हो गई जबतक घर के लोग कुछ कर पाते तबतक दोनो की सांसे थम चुकी थी।इस घटना से घर मे कोहराम मचा रहा और पिता के तेरहवी की तैयारी एकबार फिर मातम मे बदल गई।परिजन बिना किसी कार्रवाई के दोनो का अतिम संस्कार कर दिया।

चकमार्ग सीमांकन की अवहेलना मामले में नौ के खिलाफ केस दर्ज

घूरपुर। घूरपुर के बलीपुर नरैयहवा गांव में प्रशासन द्वारा चकमार्ग की सीमांकन की अवहेलना के विरूद्ध नौ लोगों के खिलाफ लेखपाल ने केस दर्ज कराया है। मामले में पुलिस छानबीन कर रही है। करछना तहसील के अंतर्गत घूरपुर इलाके के ग्राम सभा बलीपुर के मजरा नरैयहवा में चकमार्ग संख्या 62/0.034, 63/0.046 व 7/0.026 पर गांव के कई लोग अवैध कब्जा कर लिए है ।और कुछ स्थानों पर गड्ढा कर दिए है। जिससे लोगों का आवागमन बाधित होता है। शिकायत पर राजस्व विभाग पुलिस टीम के साथ जाकर सीमांकन किए। लेकिन आरोपित उसे गुंडई के बल पर पुनः अवैध कब्जा कर चकमार्ग बाधित कर दिए। जिस पर लेखपाल सूर्य कांत शर्मा ने आरोपित अभय राज, रमेश कुमार, राजेंद्र कुमार, अशोक कुमार, राजेश,राकेश दुर्गेश, सुरेश रमेश निवासीगण नरैयहवा के खिलाफ घूरपुर थाने में शिकायती पत्र देकर लोक क्षति संपत्ति अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

मार्ग दुर्घटनाओं में किसान समेत दो की मौत

प्रयागराज। जनपद में बीते आठ घंटे के दौरान हुई मार्गदुर्घना में किसान समेत दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पहली घटना नवाबगंज थाने की है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आशापुर गांव निवासी मदन मोहन (45वर्ष) पुत्र कल्लू खेती करके दो बेटे और पत्नी मीना का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह घर से मोटरसाइकिल से सब्जी बेचने के बाजार जा रहा था। रास्ते में उल्दा महेशगंज गांव के समीप उसकी मोटर साइकिल में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर परिवार वालों को खबर दी। दुर्घटना की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की।

दूसरी घटना नैनी कोतवाली क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह लिप्रोसी चैराहे के समीप डीसीएम और ट्रक की भिड़ंत में एक चालक मुकेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृत डीसीएम चालक मुकेश (35वर्ष) पुत्र नौमी लाल निवासी गोमानी गांव थाना रूधौली जिला फैजाबाद के परिजनों को सूचना देने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हाईकोर्ट समाचार

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सचिव व परीक्षा नियंत्रक को अवमानना नोटिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उ प्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सचिव आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं परीक्षा नियंत्रक विपिन कुमार मिश्र के खिलाफ अवमानना याचिका पर नोटिस जारी की है। कोर्ट ने याचिका चार हफ्ते बाद सुनवाई के लिए पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी ने अनुराग शुक्ल की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता प्रेम प्रकाश ने बहस की। याची का कहना है कि ग्राम विकास अधिकारी भर्ती 2016 में चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद खाली रह गये पदों को कट आफ मेरिट के नीचे के अभ्यर्थियों से भरने का निर्देश दिया गया है। जिसकी अवहेलना करने पर यह अवमानना याचिका दाखिल की गयी है।

बीएड की फर्जी डिग्री के आरोप में बर्खास्तगी पर रोक, जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा की 2004-05 के बीएड की फर्जी डिग्री के आरोप में बर्खास्तगी पर रोक लगा दी है और याचिका लंबित रहने के दौरान टीचर को बहाल कर नियमित वेतन भुगतान का निर्देश दिया है। याची का कहना है कि फर्जी डिग्री के आरोप में बर्खास्तगी के एकलपीठ के आदेश के खिलाफ विशेष अपील पर खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। इसीलिए उसकी बर्खास्तगी अपील तय होने तक रद्द की जाय। कोर्ट ने राज्य सरकार से याचिका पर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने सहायक अध्यापक आशीष दूबे की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता सत्येन्द्र चंद्र त्रिपाठी ने बहस की। याची का कहना है कि उसने विश्वविद्यालय से 2004-05 सत्र मे बीएड डिग्री हासिल की है और वह 20 सितम्बर 15 से नौकरी कर रहा है। एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने जांच का आदेश दिया। एसआईटी जांच में हजारों बीएड डिग्रियो के फर्जी होने की रिपोर्ट पर कार्रवाई का आदेश दिया गया है। बीएसए ने कारण बताओ नोटिस जारी की और बर्खास्त कर दिया। याची का कहना है कि जिस आदेश से कार्यवाई की गयी है, उस पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने याचिका अपील के निर्णय के बाद सुनवाई के लिए पेश करने का निर्देश दिया है।

अधिवक्ता के नाम पर दुरूपयोग की जांच का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में ग्राम पंचायत की तरफ से राज्य सरकार के नामित अधिवक्ता को ही मुकदमे दाखिल करने व बहस करने का अधिकार है। किन्तु नामित अधिवक्ता के नाम पर ग्राम प्रधान अपनी पसंद के अधिवक्ता के मार्फत फर्जी मुकदमे दाखिल कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला पकड़ में आया है। हाईकोर्ट ने इस पर सख्त रूख अपनाया है और ग्राम पंचायत पिपरिया के पैनल अधिवक्ता कृष्ण कान्त सिंह के नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर ग्राम प्रधान पारस नाथ सिंह द्वारा दूसरे वकील के मार्फत याचिका दाखिल कराने की जिलाधिकारी चंदौली को जांच करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि दोषी पाये जाने पर ग्राम प्रधान पर कार्रवाई की जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने ग्राम पंचायत पिपरिया व अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। अधिवक्ता कृष्ण कान्त सिंह ने कोर्ट में हाजिर होकर बताया कि उन्होंने यह याचिका दाखिल नहीं की है। किसी ने उनके नाम का दुरूपयोग कर उनके नाम से यह याचिका दाखिल की है। उन्होंने ग्राम प्रधान पारस नाथ सिंह पर याचिका दाखिल कराने का आरोप लगाया। कृष्ण कान्त सिंह ने कोर्ट को बताया कि न तो याचिका, न ही वकालतनामे पर उनके हस्ताक्षर हैं और न ही उन्होंने हलफनामे में याची का सत्यापन किया है। उनका फर्जी हस्ताक्षर किया गया है। याचिका के हस्ताक्षर उनके नहीं है। उनके नाम का दुरूपयोग किया गया है। जिस पर कोर्ट ने याचिका खारिज कर जिलाधिकारी चंदौली को जांच का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जांच की जाय कि क्या अधिवक्ता कृष्ण कान्त सिंह के नाम का दुरूपयोग कर ग्राम प्रधान पारस नाथ सिंह ने याचिका दाखिल करायी है। यदि जांच में आरोपों की पुष्टि होती है तो ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई की जाय और ग्राम प्रधान याचिका दाखिल करने में किसी वकील का नाम बताते हैं तो उसका नाम बार काउन्सिल को भेजा जाय तथा बार काउन्सिल उस अधिवक्ता के खिलाफ दूसरे वकील के हस्ताक्षर से याचिका दाखिल करने की जांच कर कार्रवाई करे। कोर्ट ने जिलाधिकारी को जांच रिपोर्ट आदेश मिलने के 30 दिन मे महानिबंधक के समक्ष प्रेषित करने का भी निर्देश दिया है।

पूर्व सांसद धनजंय सिंह को मिली सशर्त जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। कोर्ट ने कहा है कि शर्तों का उल्लंघन होने पर जमानत निरस्त की जा सकती है। कोर्ट ने शर्त में कहा है कि याची अपराध में लिप्त नहीं होगा, कोर्ट में हाजिर होगा, विचारण में सहयोग करेगा, साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करेगा, गवाहों पर दबाव नहीं डालेगा। ऐसी अन्य शर्तों का पालन करना होगा। जौनपुर के लाइन बाजार थाने में नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल ने 10 मई 20 को पूर्व सांसद धनंजय सिंह व संतोष विक्रम सिंह के खिलाफ उनका अपहरण करने, जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज करायी है। इसी मामले में 23 जुलाई को एडीजे प्रथम ने सह अभियुक्त संतोष विक्रम सिंह को जमानत दी है। प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल ने आरोप लगाया है कि धनजंय सिंह ने उन पर गिट्टी, बालू आपूर्ति के लिए दबाव डालने व जान से मारने की धमकी दी है। उनका अपहरण कर धनंजय के घर ले जाया गया था। धनंजय ने पिस्टल दिखाकर उसे धमकी दी और रंगदारी मांगी।

सरकारी जमीन पर दबंगों का कब्जा, शिकायत

करछना। तहसील क्षेत्र के ग्राससभा चनैनी मे ग्रामसभा की जमीन पर भू माफिया द्धारा अवैध कब्जा किया जा रहा हैएजिसकी शिकायत ग्रामीणओ तहसील प्रशासन से किया। इसके बावजूद भू-माफियाओं पर कोई कार्यवाही नही की जा सकी। जिसको लेकर सुरेश कुमार, अकित शुक्ला, विपिन सिह आदि ग्रामीणो ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर जमीन खाली कराये जाने की मांग की है। उक्त जमीन पर सार्वजनिक तौर पर कई गाव के बच्चे खेलकूद और सेना मे भर्ती होने के लिए तैयारियां करते है सुबह शाम कई गाव बच्चे यहां खेलने आते है। बच्चो के विरोध के बावजूद उक्त जमीन पर चनैनी गाव के कुछ भू माफियाओ द्धारा अवैध रूप कब्जा किया जा रहा और विवाद करने पर उतारू है। लोगो का कहना था कि कानूनगो बैजनाथ तिवारी से शिकायत की और ग्रामीणो का आरोप है कि कानूनगो ही सरकारी जमीन पर कब्जा करा रहे है।

अखाड़ा परिषद ने देश में कामन सिविल कोड लागू करने की मांग की

मुस्लिमों की बढ़ रही आबादी देखते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की भी मांग

- भाजपा ही कॉमन सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून ला सकती है

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने एक बार फिर से देश में कामन सिविल कोड लागू करने को लेकर आवाज उठाई है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने मुसलमानों की लगातार बढ़ रही आबादी पर चिंता जताते हुए इस पर रोक लगाने के लिए दो बच्चों का कानून लागू करने की भी मांग की है। कहा है कि देश में मुसलमानों को अल्पसंख्यक का दर्जा मिला हुआ है, लेकिन इसके बावजूद अल्पसंख्यक लगातार बहुसंख्यकों पर अत्याचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज में जहां एक मुस्लिम महिला हिंदू देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी देने और गालियां देने के आरोप में गिरफ्तार हुई है। वहीं अयोध्या का राम मंदिर बने बगैर कुछ असामाजिक तत्व मंदिर गिराने की बात कर सनातन संस्कृति को ललकार रहे हैं। महंत ने कहा है कि देश में बढ़ रही मुस्लिम आबादी आने वाले दिनों में बड़ा खतरा बन

सकती है। जिस रफ्तार से मुसलमानों की आबादी बढ़ रही है, उससे आने वाले दिनों में बहुसंख्यकों का जीना दुश्वार हो जायेगा। उन्होंने कहा है कि मुसलमान तीन तीन शादियां करते हैं और 20-20 बच्चे पैदा करते हैं। अगर ऐसी स्थिति बनी रही तो यह भारत पर बोझ बन जाएंगे।

महंत नरेंद्र गिरी ने कहा है कि मुसलमानों को चाहिए कि वह अब अपने को अल्पसंख्यक कहना छोड़ और हिंदुओं को धमकाना छोड़ दें। कहा कि अगर मुसलमानों की आबादी रोकने के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून नहीं लाया गया, आने वाले दिनों में देश में भयावह स्थिति हो जाएगी। महंत ने मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी अपील की है कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर लोगों को जागरूक करें। इसके साथ ही साथ लोगों को यह भी समझाएं कि वह इस तरह के विवादित बयान न दें कि बहुसंख्यकों में उबाल आये। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की अवहेलना करना और भारत के कानून को न मानना मुस्लिम बुद्धिजीवियों को बंद कर देना चाहिए। हिंदुओं की भी जनसंख्या देश में बढ़े इसके लिए उन्हें भी अब विचार करना पड़ेगा। अंत में उन्होंने कहा कि कॉमन सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून भाजपा सरकार ही ला सकती है। यदि भाजपा सरकार ऐसा करती है तो भाजपा अगले पचास वर्षों तक शासन करेगी। कहा कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद इस मामले में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को एक ज्ञापन भी सौंपेंगी।

पंचायत भवन का प्लास्टर भरभरा कर गिरा, एसडीएम सख्त

घूरपुर। एसडीएम करछना आकांक्षा राणा गांवों में बन रहे नए पंचायत भवन व शौचालय की स्थिति देखने के लिए निरीक्षण के लिए पहुंची। ग्राम सभा पंवरी में बन रहे पंचायत भवन को जैसे ही एसडीएम आकांक्षा राणा ने निरीक्षण के दौरान छुआ तो प्लास्टर भरभरा कर गिर गया। यह देखकर वह बिफर गई संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को ग्राम प्रधान को फटकार लगाई। भनौरी ग्राम सभा में पंचायत भवन मानक के तहत नहीं बनाया जा रहे थे जिस पर एसडीएम ने वहां के ग्राम सचिव प्रधान को फटकार लगाई। ग्राम सभा कर्मा व हथिगनी में पंचायत भवन बन गए हैं। और वहां पर एसडीएम ने साफ-सफाई के लिए देखने के लिए एक कर्मी की नियुक्ति करने को कहा। बड़ोहना खुर्द व कला में शौचालय में उपयोग के लिए बनाए गए टैंक से वह नाराजगी दिखाई। एसडीएम ने फटकार लगाते हुए कहा पंचायत भवन शौचालयों में मानक के अनुरूप ही काम कराया जाए। गड़बड़ी होने पर कार्रवाई की जाएगी। पंवर गांव में अभी तक पंचायत भवन की जमीन देखी। अभी तक जमीन निर्धारित नहीं होने पर काम नहीं शुरू हो पाया है जिस पर वह खफा भी थीं। पंवर गांव में बन रहे शौचालय में भी असंतुष्ट दिखीं। इसके अलावा बारी बजहिया गांव भी कार्य प्रगति को देखने के लिए पहुंची। राजस्व निरीक्षक सत्येंद्र मिश्रा, लेखपाल राजेंद्र प्रसाद शर्मा, हीरालाल, महेंद्र, सरोज, ग्राम सचिव नील कृष्ण प्रजापति, ग्राम प्रधान हरीश चंद भारतीय, नफीस अहमद मौजूद रहे।

पंवरी गोवंश आश्रम का भी किया निरीक्षण

घूरपुर। पंवरी ग्राम सभा स्थित गोवंश आश्रम भी देखने के लिए एसडीएम पहुंची। गोवंश आश्रम में मौजूद कर्मचारियों को जरूरी हिदायत भी दी। एसडीएम करछना आकांक्षा राणा कोई भी कमी पशुओं को दिक्कत ना हो इसके लिए सारी चीजें मुहैया कराने की बात कही।

फटकार लगाती एसडीएम आकांक्षा राणा

आप पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव लगाया आक्सीमीटर कैम्प

करछना। आम आदमी पार्टी की जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह के नेतृत्व में करछना क्षेत्र के कैथी, जगौती, बरदहा, कौवा बाजार, भुंडा, करेहा गांवो में कोरोना महामारी के बचाव के लिए ऑक्सीमीटर द्वारा ऑक्सी मित्रों द्वारा क्षेत्र के करछना ब्लॉक के विभिन्न गांवों में डोर टू डोर कैंप लगाकर लोगों के ऑक्सीजन स्तर की जांच की गई। ऑक्सी मित्रों द्वारा लोगों को साफ सफाई व मास्क पहनने का सुझाव दिया गया। ब्लॉक के हर गांवों में डोर टू डोर ऑक्सीमीटर कैंप लगाया जाएगा जिससे इस महामारी से लोगों को बचाया जा सके। जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह ने कहा ब्लॉक के हर एक गांवों की जांच होगी ।

आक्सीजन स्तर की जांच करते आप पार्टी के कार्यकर्ता

उमरे प्रयागराज मंडल में हुआ टेलिकम्युनिकेशन का आधुनिकीकरण

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल अपने सिग्नल और दूरसंचार विभाग द्वारा सिग्नलिंग उपकरणों के आधुनिकीकरण के चल रहे कार्य के तहत रेल परिचालन में समय की पाबंदी और सुरक्षा दोनों को बेहतर करने के लिए सिग्नलिंग सिस्टम में लगातार सुधार किया जा रहा है। जनसम्पर्क अधिकारी केशव त्रिपाठी के अनुसार सिग्नल और दूरसंचार विभाग द्वारा त्वरित गति से वार्षिक लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत प्रयागराज-कानपुर खंड के अथसराय-कटोघन-कनवर सेक्सन में बीपीएसी की कमीशनिंग 25 अगस्त को किया गया। यह एक प्रणाली है जिसका उपयोग दो खंडों के बीच ब्लॉक खंड में ट्रेन के समन्वित आवागमन को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग उस अनुभाग की व्यस्त स्थिति का पता लगाने के लिए किया जाता है जो यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि अनुभाग किसी अन्य ट्रेन के लिए अनुमति देने के लिए स्पष्ट है। यह गाड़ियों की सुरक्षित आवाजाही में उपयोगी है और त्रुटि के सबसे संभावित अवसर को समाप्त करता है। इसके अंतर्गत, प्रयागराज, मानिकपुर, कानपुर, खुर्जा, फतेहपुर, भरवारी, मिजार्पुर, सूबेदारगंज, सिराथू, नैनी, विंध्याचल, फिरोजाबाद एवं अलीगढ़ स्टेशनों के ट्रेन टाइमिंग डिस्प्ले बोर्ड को नेशनल ट्रेन इन्क्वाइरी सिस्टम से जोड़ दिया गया है।

आवास नही मिलने से नाराज युवक ने दी जान देने की कोशिश, हड़कंप

घूरपुर। गांवो में विकास किस तरह हो रहा है और पात्रों को दरकिनार कर अपात्रों को किस तरह सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है यह किसी से छिपी नही है। इसका जीता जागता उदाहरण घूरपुर के इलाके में देखने को जो कुछ मिला उसने जमीनी हकीकत खोल कर रख दी है। हुआ यूं कि पांच साल से पालिथीन के नीचे परिवार सहित गुजर बसर कर रहे मजदूर ने कई बार सरकारी आवास के लिए मिन्नतें करता रहा लेकिन उसे नही मिला तो क्षुब्ध होकर वह हाईटेशन टावर पर जान देने को चढ़ गया। गनीमत ये रहा कि राहगीरों की नजर पड़ गई शोर करने पर लोगों की भीड़ लग गई सूचना पर पुलिस और प्रधान पहुंच आश्वासन दिया तब जाकर वह नीचे उतरा तो लोगों ने राहत की सांस लिए।

चाका विकास खंड के अंतगर्त घूरपुर इलाके के मुराद पुर गांव के मन्नी लाल पटेल पुत्र स्व. कुम्भकर्ण पटेल का गांव का कच्चा मकान पांच वर्ष पूर्व बारिश के दौरान ढह गया। जिससे वह इरादतगंज हवाई पट्टी पर ईंट के उपर पालिथीन की छत बनाकर परिवार सहित रहने लगा था।इस बीच एक माह पूर्व उसके पिता का निधन हो गया गया। तो दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। छोटे से पालिथीन के छत के नीचे माता प्रभावती छोटा भाई दीप लाल छोटी बहन कुसुम के साथ मन्नी लाल पूरी गृहस्थी के साथ रहता है। बारिश में कीड़े मकोड़ों का भी सामना करना पड़ता है। इस बीच गांव में कई लोगों को सरकारी आवास मिला लेकिन इस बदनसीब को नही मिला जबकि कई बार प्रधान व रोजगार सेवक से मिल मिन्नतें भी किया लेकिन सुनवाई नही हुई तो बुधवार की शाम वह इरादतगंज हवाई पट्टी घर के समीप हाई टेन्शन टावर पर जान देने चढ़ गया तो राहगीरों ने देखा तो शोर मचाया तो लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पुलिस को हुई तो हड़कंप हो गया तीन जीप से भारी फोर्स पहुंच गई और उसे समझा बुझाकर रोका गया प्रधान विषमय लाल को बुलाया। पुलिस और प्रधान के आश्वासन पर युवक माना और टावर से नीचे उतरा और चेतावनी दी यदि इस बार आवास नही मिला तो दुबारा टावर पर चढ़ जान दे दूंगा। इस बीच काफी भीड़ लगी रही।

टावर पर जान देने के लिए चढ़ने वाला युवक अपने परिवार के साथ व कच्चा मकान

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

स्मृतिशेष माता प्रसाद खेमका की पुण्य तिथि पर वेबिनार का आयोजन

प्रयागराज। एक्युप्रेशर संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं भारत में पारम्परिक एक्युप्रेशर की पहचान स्व माता प्रसाद खेमका की प्रथम पुण्य तिथि पर वेविनार का आयोजन आज 28 अगस्त को5:30 को जूम एप के माध्यम से किया जाएगा।
वेविनार संस्थान के अध्यक्ष श्री जे पी अग्रवाल, प्रवर समिति एवं क्रियान्वयन समिति के नेतृत्व में आयोजित किया गया है। इसमें देशभर के अलग अलग भागों से बड़ी संख्या में एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ शामिल होकर स्व. खेमका जी को श्रृद्धा सुमन अर्पित करेगें। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से.. उर्वशी उपाध्याय उपाध्यक्ष. /मीडिया प्रभारी ने दी है।

अतीक की पच्चीस करोड़ की सम्पत्ति जब्त, जांच जारी

प्रयागराज। भूमाफिया अतीक अहमद की अब तक 25 करोड़ की सम्पत्ति पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने जब्त किया है। शहर के खुल्दाबाद में दो सम्पत्तियों की कुर्की गुरुवार सुबह से जारी है। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि गैगेस्टर एक्ट के तहत माफिया अतीक अहमद की सात अंचल सम्पत्तियों को कुर्क करने के लिए जिला अधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने निर्देश दिया था। बुधवार को धूमनगंज के ओम प्रकाश सभासद नगर एवं कालिंदीपुरम में मौजूद फ्लैट और मकान जिसकी लगभग ढाई करोड़ रुपए, खुल्दाबाद में दो मकान कीमत ढाई करोड़ एवं सिविल लाइंस में 20 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क की गई। गुरुवार की सुबह खुल्दाबाद में दो प्रापर्टी कुर्क करने की कार्रवाई जारी है। मौके पर धूमनगंज, सिविल लाइंस, करेली एवं खुल्दाबाद थाने की पुलिस बल मौजूद है। गौरतलब है कि नगर निगम एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने कुल 37 अंचल सम्पत्तियां चिन्हित करने में कामयाब हुए हैं। अन्य सम्पत्तियों की जांच जारी है।

अतीक अहमद के घर कुर्की की कार्रवाई करती पुलिस

कान्सटेबिल भर्ती में तीसरी आन्सर की जारी होने से फेल अभ्यर्थियों की याचिका पर जवाब तलब

प्रयागराज। पुलिस और पीएसी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में दो आंसर की जारी होने के बाद तीसरी आंसर की जारी कर एक सवाल का जवाब बदल देने के खिलाफ तमाम अभ्यर्थी हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। याचिका दाखिल कर कहा गया है कि बिना किसी सूचना के प्रश्न का उत्तर बदल देने से अभ्यर्थियों को नुकसान हुआ और वे चयन से बाहर हो गए हैं। हरिशंकर सिंह और अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने इस मामले में जवाब मांगा है। याचीगण के अधिवक्ता का कहना था कि नागरिक पुलिस में 31307 और पीएसी में 18208 कांस्टेबलों के चयन हेतु विज्ञापन 16 नवंबर 2018 को जारी हुआ था। याचीगण लिखित परीक्षा और उसके बाद अन्य सभी चरणों की परीक्षाओं में सफल रहे थे। लिखित परीक्षा के बाद चार फरवरी 2019 को पहली आंसर की जारी कर आपत्तियां मांगी गई। इसके बाद 12 मार्च 2019 को फाइनल आंसर की जारी कर दी गई। इसके हिसाब से याचीगण लिखित परीक्षा में सफल थे। इसके बाद 18 नवंबर 2019 को भर्ती बोर्ड ने बिना कोई नोटिस दिए तीसरी आंसर की जारी कर दी। इसमें एक प्रश्न संख्या 58 का उत्तर बदल दिया गया। और दो मार्च 2020 को अंतिम परिणाम जारी कर दिया गया। याची का कहना था कि एक प्रश्न का उत्तर बदलने से उसके 2.5 अंक कम हो गए। इतने ही अंकों से वह चयन से बाहर हो गया। यदि इस प्रश्न का उत्तर न बदला जाता तो वह चयन सूची में शामिल होगा। कोर्ट ने इस मामले में जवाब तलब किया है।

प्रदेश के परिषदीय टीचरों ने कैशलेस चिकित्सा व बीमा सुविधा की मांग की

प्रयागराज। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की तरह कैशलेस चिकित्सा सुविधा व बीमा सुविधा की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब तलब किया है। याचिका में कहा गया है कि राज्य कर्मचारियों की तरह ही परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक राज्य सरकार के निर्देश पर कोविड-19 की ड्यूटी कर रहे हैं। इसके बावजूद इनको राज्य कर्मचारियों की तरह कोई सुविधा नहीं दी जा रही है।

दुर्गेश प्रताप सिंह व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने इस मामले में प्रदेश सरकार और बेसिक शिक्षा परिषद को

अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचीगण का पक्ष रख रहे अधिवक्ता का कहना था कि उत्तर प्रदेश सरकार, राज्य कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा, बीमा कवर व कोविड महामारी के दौरान कार्य करने वाले कर्मचारियों को पचास लाख रुपये तक का बीमा कवर देती है। लेकिन परिषदीय शिक्षकों को ऐसी कोई सुविधा प्राप्त नहीं है। अधिवक्ता का कहना था कि याचिकाकर्ता प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षण कार्य के साथ ही बीएलओ, मतदान, मतगणना, जनगणना, एमडीएम, आपदा राहत सहित दर्जनों गैर शैक्षणिक कार्य भी करते हैं। इसके अलावा कोविड महामारी के दौरान भी परिषदीय शिक्षक सरकार व जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा दिए गए दिशा-निदेर्शों के अनुरूप रेलवे स्टेशन व बस अड्डों पर प्रवासी कामगारों की स्क्रीनिंग, गांव में आए हुए प्रवासी कामगारों की घर-घर जाकर सूचना एकत्र करने, खाद्यान्न वितरण, घर-घर जाकर छात्रों व अभिभावकों के बैंक खाते व अन्य सूचनाओं को एकत्र कर एमडीएम कन्वर्जन कास्ट बैंक खातों में भेजने के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को अपनी शिक्षण सेवाएं अनवरत प्रदान कर रहे है। इसके बावजूद भी प्रदेश सरकार प्राथमिक विद्यालयों में कार्य करने वाले शिक्षकों को राज्य कर्मचारी नहीं मानती और राज्य कर्मचारियों को प्राप्त कैशलेस चिकित्सा सुविधा, बीमा कवर, उपार्जित अवकाश समेत तमाम सुविधाएं शिक्षकों को नहीं दी जाती हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि राज्य सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप शिक्षकों को कार्य करने में कोई गुरेज नहीं है। लेकिन अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की तरह सम्पूर्ण सेवा काल के दौरान कैशलेस चिकित्सा सुविधा व दुर्घटनावश विकलांगता या मृत्यु होने पर बीमा कवर प्रदान किया जाए।

फांसी लगाकर युवती ने की आत्महत्या

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के कांशीराम आवास विकास कॉलोनी में गुरुवार की सुबह एक युवती ने फांसी लगाकर जान दे दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। धूमनगंज के कांशीराम आवास विकास कॉलोनी निवासी नेहा (20) पुत्री स्वर्गीय छंगा चार बहन और एक भाई में दूसरे नम्बर की थी। बताया जा रहा है गुरुवार की सुबह उसकी मां नूरजहां काम करने लगी। वह घर के पीछे स्थित कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते उसकी मां ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। आत्महत्या की वजह तनाव बताया जा रहा है।

नगर कोतवाल के जलाभिषेक को आगे बढ़ रही गंगा, आरती स्थल गंगा में डूबा

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा जमुना का जल स्तर बढ़ने का कारण हरिद्वार, नरोरा तो था कानपुर के बांधों से पानी छोड़ा गया है ,4.73 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। देर रात हरिहर गंगा आरती स्थल जलमग्न हो गया। अब गंगा आरती ऊपरी अस्थल पर होगी।इसी के साथ गंगा नगर कोतवाल कहे जाने वाले बड़े हनुमान मंदिर की ओर तेजी से बढ़ रही हैं ' गंगा जमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ने की वजह से सगम क्षेत्र पूरी तरह खाली कर दिया गया। तीर्थ पुरोहितों की चौकियां अन्नक्षेत्र के पास रखवा दी गईं। पूजा-प्रसाद की भी दुकानें अब अन्नक्षेत्र से लेकर बेनी बांध तक लग गई हैं।गंगा-यमुना के जलस्तर में 3 सेंमी प्रति घंटा की रफ्तार से वृद्धि हो रही है । देररात हरिहर आरती स्थल गंगा में डूब गया। तथा संगम के पास टापू पर लगी तीर्थपुरोहितों की चौकियां हटवा दी गईं। पूरा संगम क्षेत्र खाली करा दिया

गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ने से अपना सामान समेटते पुरोहित

गया।किला के अलावा नागवासुकी व बेनी बांध के आसपास रहने वाले सैकड़ों गरीबों ने सामान समेट कर परेड में अपना ठिकाना बना लिया। वहीं बांधों से भी लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। सिंचाई बाढ़ खंड के कंट्रोल रूम के मुताबिक बुधवार को रात आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.57 मीटर व छतनाग में 77.80 मीटर जल स्तर रिकार्ड किया गया। छतनाग में 23 सेंमी जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती क्षेत्रों में चिंता बढ़ गई है। नैनी में यमुना का जल स्तर 78.44 मीटर रिकार्ड किया गया, वही बांधों से भी गंगा में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। जानकारी के अनुसार हरिद्वार से 93,012 हजार क्यूसेक, नरोरा से 1.13 लाख, 217 क्यूसेक और कानपुर से 2.66 लाख, 953 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया।

सपा नेताओं ने मेधावी छात्राओं को भेंट किया लैपटॉप

प्रयागराज। जनपद के बी बी एस इंटर कॉलेज शिवकुटी की दो मेधावी छात्राओं को सपा जिला अध्यक्ष योगेश यादव, एम एल सी बासुदेव यादव एवं राम बृक्ष यादव ने आज लैपटॉप भेंट कर सम्मानित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से मेधावियों और उनके माता पिता को शुभकामना दी। एम एल सी बासुदेव यादव ने इस मौके पर कहा कि समाजवादीपार्टी की पूर्व वर्ती सरकारों में प्रदेश में शिक्षाऔर रोजगार के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए। अखिलेश यादव जी की सरकार में छात्र छात्राओं को 18 लाख लैपटॉप देकर तकनीकी प्रणाली से जोड़ने का काम हुआ है। सरकार में नहीं होते हुए भी वह कार्य जारी है। एम एल सी

मेधावी छात्राओं को लैपटाप देते सपा कार्यकर्ता

राम बृक्ष यादव ने कहा कि भाजपा शासन में बेरोजगारी चरम पर है और नौजवान परेशान हैं। भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने समाज में भेदभाव, सांप्रदायिक सौहार्द को तोड़ने, खासकर उत्तर प्रदेश में विकास के नाम पर सपा की पिछली सरकार में किए गए कार्यों का फीता काटकर उद्घाटन कर वाहवाही लूटने का काम कर रही है।

सपा जिलाध्यक्ष योगेश यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से मेधावियों और उनके माता पिता, गुरु जनों को शुभकामना देते हुए अपनी तरफ से बधाई दी और कहा कि आगे भी इसी तरह से जनपद का नाम रोशन करे। सपा के जिला प्रवक्ता दान बहादुर मधुर के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा प्रदेश भर में मेधावियों को लैपटॉप दिया जा रहा है । प्रयागराज जिले में कुल 7 छात्र, छात्राओं को चिन्हित किया गया है । इसी क्रम में आज यू पी बोर्ड की हाई स्कूल परीक्षा में प्रदेशकी मेरिट में आठवाँ स्थान पाने वाली कु सृष्टि एवं नवां स्थान हासिल करने वाली कु गार्गी को लैपटॉप भेंट किया गया। सोसल डिस्टेंस का पालन करते हुए विद्यालय प्रांगण में ही मेधावी छात्राओं को लैपटॉप दिया गया। विद्यालय के प्रबंधक श्री रंजीत सिंह ने आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष योगेश यादव महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, विधानपरिषद सदस्य गण श्री बासुदेव यादव, राम बृक्ष यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण मूर्ति सिंह, डॉ मान सिंह यादव, जिला महासचिव संदीप सिंह पटेल, उपाध्यक्ष गण राम सुमेर पाल, अनिल कुमार यादव, दान बहादुर मधुर, महावीर यादव, रवींद्र यादव, संदीप यादव, दूध नाथ पटेल, मोहम्मद शारिक आदि रहे।

खड़ी ट्रक में ट्रक भिड़ने से चालक की मौत, खलासी घायल

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र के गन्ने गांव के समीप गुरुवार की भोर में खड़े ट्रक में ट्रक भिड़ने से चालक की मौत गई। हादसे में खलासी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।मध्य प्रदेश के रीवा जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के बरिगंवा गांव निवासी अशोक कुमार साहू (30वर्ष) पुत्र ए.पी. साहू परिवार के भरण-पोषण के लिए ट्रक चालाता था। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात मध्य प्रदेश से ट्रक शहर की ओर जा रहा था। गुरुवार की भोर बारा के गन्ने गांव के समीप पहले खड़े ट्रक में अचानक उसकी ट्रक जा भिड़ी। हादसे में अशोक कुमार साहू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसका खलासी घायल हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल खलासी को उपचार कराने के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और मृतक के परिजनों को सूचना दी। उसके शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष हुए पाजिटिव एसजीपीजीआई लखनऊ रिफर

प्रयागराज। भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती को गुरूवार को जांच में कोरोना पाजिटिव होने पर एम्बूलेंस द्वारा प्रयागराज से एसजीपीजीआई लखनऊ इलाज हेतु भेजा गया है। वह एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित थे और अस्पताल में भर्ती थे। यमुनापार मीडिया प्रभारी दिलीप चतुर्वेदी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिलाध्यक्ष विगत एक सप्ताह से इन्फेक्शन बुखार से पार्वती हास्पिटल प्रयागराज में भर्ती होकर ईलाज करा रहे थे। जिन्हें बुधवार शाम से सांस लेने में दिक्कत होने पर आक्सीजन सपोर्ट में रखा गया था। गुरूवार को निजी वात्सल्य हास्पिटल में दोपहर जांच सैम्पल दिया गया था। जिसके बाद जिला प्रभारी मंत्री डॉ. महेद्र सिंह व जिलाधिकारी प्रयागराज ने एम्बूलेंस द्वारा प्रयागराज से एसजीपीजीआई लखनऊ ईलाज हेतु भेजा है। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि गुरूवार की सायं 6.30 बजे कोबिड-19 पाजिटिव रिपोर्ट आई। जिसकी जानकारी सभी को देते हुए सभी से अपील किया कि जो भी जिला पदाधिकारी कार्यकर्ता या व्यक्ति विगत कुछ दिनों से जिलाध्यक्ष के सम्पर्क में आए हों वह अपनी जांच करा ले और स्वयं को आइसोलेट कर ले। जिलाध्यक्ष ने लाकडाउन के समय गरीबों प्रवासियों के मदद हेतु निरंतर राशन भोजन आदि का अभियान चलाकर ऐतिहासिक कार्य किया था।

पुरानी रंजिश में मारपीट आधा दर्जन के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर पडोसियों ने अपने विपक्षी को मारे पीटे और तोड फोड किए। पुलिस ने आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है । मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसई सिपाह निवासी शादाब अहमद पुत्र अनीस अहमद का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर उनके विपक्षी एक राय होकर परिजनों को मारे पीटे तथा सामानों को तोड दिए । विरोध पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। शादाब अहमद ने मऊआइमा थाने में साजिद अली ,आशीक अली, जाकिर अली, सादिक अली कासिम अली ,सगीर अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

ट्रिपल आईटी में दो कार्यशालाओं की शुरूआत आज से

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद में 28 अगस्त से दो कार्यशालाओं 'परिस्थिति श्रृंखला तथा डेटा विश्लेषण' विषय पर ऑनलाइन आयोजन झलवा परिसर से किया गया है।उक्त जानकारी मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. पंकज मिश्र ने देते हुए बताया कि 'परिस्थिति श्रृंखला तथा डेटा विश्लेषण' विषय पर दो दिनी कार्यशाला में प्रतिभागियों को जलवायु, रोबोटिक्स, अर्थशास्त्र, मनोरंजन, स्वास्थ्य देशभाल और परिवहन जैसे क्षेत्रों में डेटा का समुचित सफलतापूर्वक उपयोग पर जागरुक किया जायेगा। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से वर्तमान समय की उपलब्ध तकनीक की प्रगति पर चर्चा करने के साथ ही

शोधकताओं और शिक्षाविदों के बीच समयबद्ध श्रृंखला विश्लेषण और एल्गोरिदम के नए पक्षों के प्रति जागरुकता पैदा करना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में विशेषज्ञ श्रृंखला डेटा और वितरण, कुर्तोसिस, जर्क-बेरा परीक्षण, तीव्र ध्वनि और उसका परीक्षण, गहन लर्निंग एवं श्रृंखला डेटा एनालिटिक्स पर प्रकाश डालेंगे। संस्थान के एप्लाइड साइंस विभाग द्वारा 'कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी' विषय पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रीतिश भरद्वाज ने बताया कि इस व्यावहारिक कार्यशाला का उद्देश्य कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान के अध्ययन हेतु अंतर्दृष्टि प्रदान करना है। कार्यशाला में प्रोटीन के संरचना की भविष्यवाणी और आणविक डॉकिंग का वैचारिक ज्ञान प्रदान किया जायेगा। प्रतिभागियों को विषय के बारे में व्याख्यान के साथ-साथ आनलाइन अभ्यास के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी। इससे उन्हें कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में अपने कौशल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रोटीन संरचना, उत्पादन, पोस्ट स्ट्रेक्चर विश्लेषण, ब्लाइंड डॉकिंग, एक स्पेसिफिक बाईंडिंग पाकेट में ओकिंग, बाईंडिग पॉकेट की पहचान, प्रोटिन लिगेंड इंटरेक्शन का विजुआलइजेशन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के प्रथम दिन जैव सूचना विज्ञान और प्रमुख बातें प्रोटीन मॉडलिंग, विश्लेषण का परिचय तथा अन्तिम दिन आणविक डॉकिंग, विजुअलाइजेशन की जानकारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया जायेगा।

प्रभु श्री राम के आदर्शों से प्रेरित होकर कार्य करें : स्वतंत्र देव

प्रयागराज। हम एक ऐसी पार्टी के सिपाही हैं जिनके आदर्श प्रभु श्री राम हैं। हम सब को भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज के अंदर जो गरीब, वंचित, शोषित, वनवासी हैं उनको गले लगाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़कर उन्हें अच्छा जीवन जीने के लिए प्रेरित करना और उनके प्रति कार्य करना है।

उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने गुरूवार को भाजपा महानगर प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्चुअल बैठक में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए

वर्चुअल मीटिंग करते भाजपाई

व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं ने बूथ सत्यापन जैसे कठिन कार्य को भी सरलता पूर्वक करते हुए असम्भव को भी सम्भव किया। इसके लिए सभी प्रयागराज महानगर के कार्यकर्ताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारी मां के समान है जिसके मान सम्मान की रक्षा करना हम जैसे कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। इसके पूर्व उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों एवं प्रभारियों से बूथ सत्यापन से सम्बंधित जानकारी ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि निश्चित रूप से आपके उद्बोधन से प्रयागराज के सभी कार्यकताओं को ऊर्जा प्राप्त होगी और एक आदर्श पारिवारिक संगठन के निर्माण में सहयोग प्रदान करेगी। आगे कहा कि भाजपा महानगर प्रयागराज के कार्यकताओं ने लगातार संगठन की ओर से आने वाले सभी कार्यों को सफलतापूर्वक करते हुए प्रयागराज का गौरव बढ़ाने का कार्य किया, जो अतुलनीय है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्षों ने मंडल स्तर पर की गई बूथ सत्यापन, ई बुक, व्हाट्सएप ग्रुप एवं आईटी टीम के कार्य से सम्बंधित सभी कार्यों की जानकारी दी।

बैठक का संचालन देवेश सिंह एवं धन्यवाद वरुण केसरवानी ने किया। बैठक में अनीता सचान, डॉ. एल एस ओझा, डॉ.कृतिका अग्रवाल, देवेंद्र मिश्रा, राजेंद्र मिश्रा, राजू शुक्ला, कुंज बिहारी मिश्रा, राजू पाठक, राजेश केसरवानी, रमेश चंद्र पासी, बृजेश मिश्रा, गिरिजेश मिश्रा, राजन शुक्ला, सुभाष वैश्य, शोभिता श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा, दिनेश विश्वकर्मा, दिलीप केसरवानी, किशोरीलाल जायसवाल, गौरव गुप्ता, अजय सिंह, विजय श्रीवास्तव, अनिल भट्ट, भरत निषाद, संजय कुशवाहा, दीनानाथ कुशवाहा, ज्ञान बाबू केसरवानी, कौशिकी सिंह आदि रहे।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज शुक्रवार, 28 अगस्त, 2020

क्रियायोग सन्देश

वर्ण व्यवस्था का सही रूप...

क्रियायोग प्राचीनतम् आध्यात्मिक शिक्षा है। प्राचीनकाल में क्रियायोग विज्ञान का प्रारम्भ उपनयन संस्कार से होता था। उपनयन संस्कार को बारह वर्ष के बाद ग्रहण करने का विधान था। बारह वर्ष उम्र के पहले प्रत्येक मनुष्य के अन्दर तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) की कार्यक्षमता कम होने से उसका व्यवहार अबोध बालक की तरह होता है, सोचने समझने की सामर्थ कम होने की वजह से व्यक्ति को शूद्र कहा जाता है। वर्तमान में शूद्र का अर्थ बदल गया जिसकी वजह से समाज अव्यवस्थित हो गया। शास्त्रों में कहा गया है 'जन्मतो जायतो शूद्रः', जन्म से सभी शूद्र होते हैं। यहाँ पर शूद्र का अर्थ जाति से नहीं है। वे सारे व्यक्ति जिनका जीवन खाने-पीने, घूमने-टहलने और इन्द्रिय सुख-भोग में केन्द्रित होता है, सभी शूद्र की तरह हैं।

प्रारम्भिक जीवन में मस्तिष्क तथा अन्तःश्रावी ग्रन्थियों आदि अनेक अंगो के विकास के लिए शूद्र प्रवृत्ति का होना आवश्यक है। अगर बच्चों के हँसने, खेलने, घूमने की उन्मुक्तता को रोक देने पर उनका सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता हैं। इसलिए प्राचीनकाल में बारह वर्ष तक किसी भी प्रकार की बाह्य शिक्षा को ग्रहण करने का विधान नहीं था। बारह वर्ष के बाद उपनयन संस्कार ग्रहण करने पर मनुष्य शूद्र से द्विज में रूपान्तरित हो जाता है।

द्विज का अर्थ दो प्रकार की जानकारी से है। 'द्वि' का अर्थ दो से व 'ज' का अर्थ जानकारी से है। द्विज की अवस्था में मनुष्य को सत् और असत् के बारे में ज्ञान होने लगता है। सत् असत् के बारे में ज्ञान प्राप्त होने पर और सतमार्ग का अनुसरण करने पर मनुष्य वैदिक ज्ञान की प्राप्ति करने लगता है। सत्, रज्, तम् गुणों से संबंधित ज्ञान ही वैदिक ज्ञान है। सत्, रज्, तम् गुणों के भिन्न-भिन्न अनुपात से पत्थर, वनस्पति, जीव-जन्तु, मानव व देवी-देवता आदि का सृजन हुआ है। अतः अणु-परमाणु, वनस्पति, जीव-जन्तु, मानव व देवी-देवता के बारे में ज्ञान प्राप्त करना ही वैदिक ज्ञान है। वैदिक ज्ञान की प्राप्ति होने पर मनुष्य विप्र अवस्था की प्राप्ति कर लेता है। इसी मार्ग पर चलते हुए विप्र में ब्रह्म विद्या प्रकाशित हो जाती है, इस अवस्था में उन्हें ब्राह्मण कहा जाता हैं। जिन लोगों को वैदिक ज्ञान अच्छी तरह प्राप्त नहीं हो पाता है, वे लोग व्यापार आदि द्वारा समाज की सेवा करने लगते हैं, उन्हें ही वैश्य कहा गया।

ब्राह्मणों का वह वर्ग जो उपनयन संस्कार के गहन अभ्यास द्वारा शरीर के अन्दर विद्यमान चक्रों पर अधिकार प्राप्त कर लिये, उन्हें चक्रवर्ती राजा कहा गया। इन्हीं लोगों को क्षत्रिय व राजर्षि भी कहा गया है। क्षत्रिय का अर्थ है जो क्षत अर्थात् कष्ट का त्राण करे। जो अपने ज्ञान व शक्ति के द्वारा जनता के कष्टों को दूर करता था, उसे क्षत्रिय समाज कहा गया।

शास्त्रों में भी कहा गया है कि ब्राह्मण लोगों ने क्षत्रियों का निर्माण किया। इसका अर्थ यह है कि ब्राह्मण अवस्था की प्राप्ति के बाद और गहन साधना के द्वारा क्षत्रिय अवस्था की प्राप्ति होती है। इस प्रकार शूद्र, द्विज, विप्र, ब्राह्मण आदि अवस्थाएँ अलग-अलग डिग्री की तरह थी जो मनुष्य की साधना और उसके अन्तःकरण में प्रकाशित ज्ञान के आधार पर, उसे प्रदान की जाती थीं। कलिकाल में मानव मस्तिष्क का ज्ञान घटने पर जब लोग जन्म को कर्म से बड़ा मानने लगे तो जन्मना जाति प्रथा की परम्परा चल पड़ी।

भारत राष्ट्र के निर्माण के लिए आज आवश्यकता है कि जाति व्यवस्था का सही रूप प्रकट हो और हमारे देश से जातिवाद का झगड़ा समाप्त हो जाय। क्रियायोग का विस्तार होने पर जनता ज्ञानी होगी। ऐसा होने पर स्वतरू कर्म को जन्म से बड़ा माना जाएगा और कर्म की महत्ता स्थापित होगी। ऐसी स्थिति में जाति व्यवस्था का सही रूप प्रकट होगा।

क्रियायोग का अभ्यास करने पर मनुष्य शूद्र से द्विज, द्विज से विप्र, विप्र से ब्राह्मण और क्षत्रिय अवस्था की प्राप्ति कर अल्पकाल में पूर्ण विकसित और ज्ञानी हो जाता है। ऐसा होने पर उसके द्वारा देश की और मानवता की सच्ची सेवा होगी और राष्ट्र का उत्थान होगा।

The Five Stages of Human Consciousness

Kriyayoga Meditation brings realization that human consciousness has five stages of development which are known as Shudra, Dwija, Vipra, Brahmin and Kshatriya.

The Shudra stage is the childhood stage (beginning stage) of human consciousness and in this stage a person is highly attracted towards sense pleasure and believes in mystical phenomena. Such persons can be bribed and distracted very easily. Their understanding power is child-like and limited. They commit mistakes in almost all walks of life and, therefore, they suffer from various physical and mental problems. Because of this, the living expenses of Shudras are very high. Generally, in ancient India, the Shudra stage was up to twelve years of age. With correct teachings, they enter into the Dwija stage and keep on progressing. However, today, due to the lack of proper teaching, the Shudra stage exists even up to later years as well. Sometimes, a person remains in this stage throughout their whole life. Kriyayoga Meditation quickens

growth of understanding power and one can proceed very quickly from Shudra stage to the highest stage of Consciousness.

The next stage of development is Dwija Consciousness. In this stage, the understanding power is more evolved and a person is able to realize reality and non-reality behind names and forms of creation. Dwija is made up of two words : "Dwi" means two and "ja" means knowledge (gyaana). A person who is in Dwija Consciousness has knowledge of both – sat (reality) and asat (non-reality). Therefore, they commit less mistakes in day-to-day life. The living expenses of a Dwija is less than that of a Shudra.

The third stage is that of Vipra Consciousness. In this stage, one experiences awakening of Vedic knowledge within. Vedic knowledge is knowledge of creation, preservation and change. A person in this stage is a scientist in all dimensions of life. They are givers of light to all persons suffering from various problems. They live a good and balanced life and do not have sufferings like persons of Dwija and Shudra stages. Their living expenses are much less in comparison to Dwija persons.

Brahmin Consciousness is the fourth stage of human consciousness. Persons of this stage are highly evolved and have perfect knowledge of creation, preservation and change. They are known as Brahmins. The expenses of Brahmins are minimal. Among Brahmins, a few attain the ultimate stage of evolution and represent Vishnu Consciousness. They are called Kshatriayas. The word "Kshatriya" is comprised of two words – "Kshet" which means injuries and "traan" which means cure. Because of awakened Vishnu Consciousness within, Kshatriyas are able to solve all problems of all creations and are able to bring any change according to need. They are also known as Prophets.